जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

25 मई 2021

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया ने "ब्लैक फंगस: ऑल यू नीड टू नो" पर ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित किया

कोविड-19 संवेदीकरण और जागरूकता गतिविधियों के आयोजन-क्रम में, दंत चिकित्सा संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जामिइ) ने 25 मई 2021 को वेबएक्स प्लेटफ़ॉर्म पर "ब्लैक फंगस: ऑल यू नीड टू नो" विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया। व्याख्यान का आयोजन *"ब्लैक फंगस.के.ए म्यूकोर्मिकोसिस" के* बारे में जागरूकता और तमाम संदेह दूर करने के लिए किया गया था , जोकि वर्तमान में चल रही महामारी की दूसरी लहर के दौरान देश भर में बढ़ रहा है।

कार्यक्रम के अतिथि वक्ता प्रोफेसर (डॉ) ईश्वर सिंह, निदेशक प्रोफेसर, विभाग के पूर्व प्रमुख ओटोरहिनोलारिंजोलॉजी एंड हेड नेक सर्जरी, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज और लोक नायक अस्पताल, नई दिल्ली थे।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर, कार्यक्रम की मुख्य संरक्षक रहीं। सभा को संबोधित करते हुए, प्रो. अख्तर ने पूरे भारत में बीमारी के बढ़ते मामलों की वर्तमान स्थिति को अद्यतन किया और कहा कि अब तक 14 राज्यों ने इसे महामारी रोग अधिनियम, 1897 के तहत एक उल्लेखनीय बीमारी के रूप में पंजीकृत किया है। इस अज्ञात बीमारी से जिज्ञासु होने के नाते, उन्होंने प्रतिभागियों से वक्ता का परिचय कराया और वर्तमान परिदृश्य में इस प्रासंगिक कार्यक्रम को समय पर आयोजित करने के लिए आयोजन समिति की सराहना की।

इससे पहले, अपने उद्घाटन भाषण में, प्रो (डॉ) संजय सिंह, डीन, दंत चिकित्सा संकाय, जामिया और कार्यक्रम के आयोजन अध्यक्ष ने महामारी और म्यूकोर्मिकोसिस के वर्तमान परिदृश्य पर अपने विचार साझा किए।

प्रोफेसर (डॉ) ईश्वर सिंह द्वारा 45 मिनट का व्याख्यान एक बहुत ही जानकारीपूर्ण सत्र था , जिसमें रोग की सभी बुनियादी और वैज्ञानिक जानकारी, इसकी एटियोलोजी या कारण, क्लिनिकल मेनिफेस्टेशन, नैदानिक सहायता और उपचार की संभावनाएं शामिल थीं।

प्रमुख टेक-होम संदेश थे:

•ब्लैक फंगस एक मिथ्या नाम है। कवक काला नहीं है लेकिन इसका नैदानिक प्रतिनिधित्व उन ऊतकों का काला पड़ना / परिगलन है जो इसे प्रभावित करते हैं।
• यह कोई नई बीमारी नहीं है। यह समझौतावादी प्रतिरक्षा प्रणाली वाले रोगियों में अवसरवादी संक्रमण के रूप में होता है और इसलिए कोविड से ठीक होने वाले रोगियों में अधिक होता है। इस महामारी में काले फंगस की रोकथाम के लिए मधुमेह/रक्त शर्करा पर एक अच्छा नियंत्रण और कोविड रोगियों में स्टेरॉयड का विवेकपूर्ण उपयोग महत्वपूर्ण है।
• शीघ्र निदान और शीघ्र उपचार इस जानलेवा बीमारी के कारण होने वाली रुग्णता को कम करने की कुंजी है।

व्याख्यान में बड़ी संख्या में जामिया और अन्य विश्वविद्यालयों के 706 प्रतिभागियों की भागीदारी देखी गई। प्रतिभागियों में दिल्ली-एनसीआर और देश के अन्य हिस्सों के डॉक्टर और जनसामान्य भी शामिल थे।

व्याख्यान के बाद, जिज्ञासु श्रोताओं के प्रश्नों को शामिल करते हुए प्रश्नोत्तर सत्र हुआ। सत्र का संचालन प्रोफेसर (डॉ) नीता कुमार, प्रोफेसर-प्रभारी, पैथोलॉजी और आयोजन सचिव द्वारा किया गया था।

कार्यक्रम की मेजबानी डॉ. हरनीत कौर, एसोसिएट प्रोफेसर, ऑर्थोडोंटिक्स, दंत चिकित्सा संकाय, जेएमआई ने डॉ. काज़िम नकवी, निदेशक सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र , जेएमआई के मार्गदर्शन और तकनीकी सहायता के तहत की गई।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया